

[Shri A. C. George]

- (4) A copy of the Certified Accounts (Hindi and English versions) of the Cardamom Board, Ernakulam for the year 1969-70 and the Audit Report thereon, under sub-section (4) of section 19 of the Cardamom Act, 1965. [Placed in Library. See. No. LT-357/71]
- (5) A copy of the Annual Report of the Coffee Board for the year 1969-70. [Placed in Library. See. No. LT-358/71]

MESSAGE FROM RAJYA SABHA

SECRETARY : Sir, I have to report the following message received from the Secretary of Rajya Sabha :—

"In accordance with the provisions of rule 127 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Rajya Sabha, I am directed to inform the Lok Sabha that the Rajya Sabha, at its sitting held on the 7th June, 1971, agreed without any amendment to the General Insurance (Emergency Provisions) Bill, 1971, which was passed by the Lok Sabha at its sitting held on the 2nd June, 1971."

12.23 hrs.

GENERAL BUDGET, 1971-72--GENERAL DISCUSSION—Contd.

MR. SPEAKER : The House will now take up general discussion of the general budget. We have still 5 hours and 15 minutes. When would the Minister like to reply ?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI YESHWANTRAO CHAVAN) : I would like to reply some time tomorrow, either 3 O'Clock or 4 O'Clock. 4 O'Clock would suit me very well. I will take 30 minutes to 1 hour.

MR. SPEAKER : Shri Shivpujan Shastri will continue his speech.

श्री शिवपूजन शास्त्री (विक्रमगंज) : अध्यक्ष महोदय, इस वर्ष का बजट हमें एक नई विधा की तरफ ले जाता है, इस लिये वित्त मंत्री जी बधाई के पात्र हैं। यह बजट देश की वर्तमान आर्थिक स्थिति की पृष्ठभूमि में है। देश की आर्थिक स्थिति तरक्की पर है, खासकर कृषि उत्पादन 5 प्रतिशत से भी अधिक बढ़ा है। औद्योगिक उत्पादन 5 प्रतिशत अधिक बढ़ा है, लेकिन जितना होना चाहिये उतना नहीं हो रहा है। खासकर खाद्यान्न 100 प्रतिशत अधिक हो रहा है। 1950 में 5 करोड़ टन अन्न होता था लेकिन 1971 में 10.5 करोड़ टन हो रहा है। इस तरह हम देखते हैं कि कृषि उत्पादन दिन दिन बढ़ रहा है। अभी मैं अपने निर्वाचन क्षेत्र में देखा कि जिन खेतों में एक फसल होती थी, उन में तीन फसलें निकालने की तैयारी हो रही है। मई और अप्रैल के महीने में जहाँ पर पहले कुछ नहीं होता था वहाँ धान बोया जा रहा है। इस मामले में लोग बिज्ञान से भी मदद ले रहे हैं और गावों में भी खेती के लिये ट्रैक्टरों का व्यवहार कर रहे हैं। अगर इस तरह से देखा जाय तो देहातों में कृषि उत्पादन काफी तरक्की पर है। कमी सिर्फ इस बात की है कि जो किसान एक बीघा या पांच बीघे तक भूमि में खेती करते हैं वह ट्रैक्टर को व्यवहार में नहीं ला सकते हैं और अच्छी खाद भी इस्तेमाल नहीं कर सकते हैं। उन के लिये खाद और ट्रैक्टरों का इन्तजाम किया जाना चाहिये।

जहाँ तक पिछले वर्षों का सवाल है, मंत्री महोदय उन को ध्यान में रखते हुए आगे के लिये विचार कर रहे हैं और तैयारी कर रहे हैं। उत्पादन में जो कमी है उस के लिये मंत्री महोदय जिम्मेदार नहीं हैं। उस के लिये देश में काफी जागरूकता लाने की जरूरत है और